कर रही थी।

5. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए ?

उत्तर- मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में हलचल मच गई। हवा नाच-गाकर अपनी प्रसन्नता प्रकट कर रही हैं। पेड़ों की डालियाँ झुक कर मेघों के आगमन पर अपनी उत्सुकता प्रकट कर रहे हैं अल्हड़ नवयौवना की भाँति धूल भरी आँधी सभी को मेघों के आगमन की सूचना दे रही है। बूढ़ा पीपल झुक कर मेघों का अभिवादन कर रहा है लता किवाड़ की ओट से मेघों को उलाहना दे रही है तालाब भी पैर धोने को दौड़ पड़ा है। सभी के मन में यह भ्रम था कि मेघ (मेहमान) नहीं आएंगे और इस भ्रम के टूटने पर सभी क्षमा याचना कर रहे हैं।

6. मेघों के लिए बन-ठन के संवर के आने की बात क्यों कही गयी ?

उत्तर- कवि ने कविता में मेघों के बन-ठन कर, सज-धज कर आने की बात कही है। जिस प्रकार मेहमान के आगमन में सभी उसके स्वागत को तत्पर हो जाते हैं। वैसे ही प्रकृति उसके स्वागत में अपना काम छोड़कर खड़ी है।

7. कविता में आए मानवीकरण तथा रूपक अलंकार के उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर- यूँ तो सम्पूर्ण कविता में रूपक अलंकार है। मेघों के साथ-साथ संपूर्ण प्रकृति का मानवीकरण कर दिया गया है जैसे

1 आगे-आगे नाचती गाती बयार चली - यहाँ बयार का स्त्री के रूप में मानवीकरण हुआ है।

2 मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के- मेघ का दामाद के रूप में मानवीकरण हुआ है।

3 पेड़ झुक, झाँकने लगे गरदन उचकाए - पेड़ों का ग्रामवासी के रूप में मानवीकरण किया गया।

4 भागी धूल घाघरा उठाए - धूल का स्त्री के रूप में मानवीकरण किया गया है।

5 बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की - पीपल को पुराने वृक्ष का मानवीकरण गाँव के सबसे बुजुर्ग आदमी के रूप में किया गया है।

6 बोली अकुलाई लता- लता स्त्री का प्रतीक है।

रूपक अलंकार के उदाहरण-

1 क्षितिज अटारी - यहाँ क्षितिज को अटारी के रूपक द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

2 दामिनी दमकी - 'दामिनी दमकी' को बिजली के चमकने के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

8. कविता में जिन रीति-रिवाजों का मार्मिक चित्रण हुआ है उसका वर्णन कीजिए।

उत्तर- कविता में कवि ने भारतीय संस्कृति के अनुरूप मेघों की तुलना सज-धजकर आए अतिथि (दामाद) से की है और भारतीय संस्कृति में अतिथि देवो भवः के अनुसार स्वागत की परंपरा है कवि ने इसी परंपरा का जीवंत चित्र प्रस्तुत किया है जैसे-

1. दामाद चाहे किसी के घर आए लेकिन गाँव के सभी लोग उसकी खातिरदारी में बढ़ -चढ़ कर भाग लेते हैं।
2. गाँव की स्त्रियाँ मेहमान से पर्दा करती है।
3. नायिका भी मेहमान के समक्ष घूँघट रखती है।
4. सबसे बुजुर्ग आदमी को झुककर मेहमान का स्वागत करना पड़ता है।
5. मेहमान के आगमन पर वधु-पक्ष के लोगों द्वारा दूल्हे के पैरों को पानी से धोना पड़ता है।

9. कविता में कवि ने आकाश में बादल और गाँव में मेहमान (दामाद) के आने का जो रोचक वर्णन किया है उसे लिखिए।

उत्तर- 'मेघ आए' कविता में मेघों के आगमन की तुलना अतिथि अथवा दामाद के आने से की है। दोनों वर्णन कविता में साथ-साथ किए गए हैं (दामाद अपनी ससुराल में पूरी तरह बन-ठन कर आते हैं। दामाद के आने से पास-पड़ोस वाले अपने खिड़की दरवाजों से निहारते हैं। घर की औरतें घूंघट उठाकर देखती है और प्रसन्नता व्यक्त करती है। घर का बुर्जुग दामाद का अभिवादन-सत्कार करता है। पैर धोने के लिए पानी लाया जाता है। दुल्हन किवाड़ की ओट से अपने पति को देर से आने पर उलाहना देती है।

10. काव्य सौंदर्य लिखिए-

पाहुन ज्यों आए हो गाँव में शहर के ।

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

उत्तर- कवि ने गाँव में आए किसी शहरी अतिथि (दामाद) के स्वागत का वर्णन लोक-परंपरानुसार किया है।

-कवि ने खड़ी बोली में रचना रची है।

-लोक-भाषा के शब्दों की बहुलता है।

-कवि का बिंब- विधान प्रशंसनीय एवं सजीव है।

-कवि ने अनुप्रास, रूपक और उत्प्रेक्षा अलंकार का प्रयोग किया है।

-पूरी कविता में मानवीकरण अलंकार है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. मेघ आए कविता किसके द्वारा रचित है?

a. महादेवी वर्मा　　b. ललद्यद

c. सूरदास　　d. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

2. मेघ कैसे आए ?

a. गुस्से से　　b. अस्त व्यस्त

c. बन ठन कर　　d. लापरवाह बनकर

3. घाघरा उठाकर कौन भागी थी?.

a. पत्तियाँ　　b. धूल

c. छोटी लड़कियाँ　　d. औरतें

4. अकुलाई लता किसका प्रतीक है ?.

a. वियोग से व्याकुल नायिका का

b. छोटी बच्ची का

c. रोती हुई कन्या का

d. हरी- भरी बेल का

© JCERT not to be republished

5. बयार किसका पर्याय है?

a. वर्षा b. जल
c. बादल d. हवा

6. 'सर्वेश्वर दयाल सक्सेना 'बच्चों की कौन सी पत्रिका के संपादक थे?

a. बालभारती b. चंपक
c. पराग d. सुमन सौरभ

7. कविता में मेघ का आगमन किस रूप में हुआ है?

a. मेहमान b. जल
c. बालक d. हाथी

8. गली-गली में खिड़की दरवाजे क्यों खुलने लगे हैं ?

a. ठंडी हवा के लिए
b. रास्ते में आते जाते लोगों को देखने के लिए
c. बादल को देखने के लिए
d. इनमें से कोई नही

9. पेड़ किसके कारण झुक गए है ?

a. फलों के कारण b. हवा के कारण
c. लंबे होने के कारण d. बादल के कारण

10. मेघों के आगे कौन नाचती -गाती चल रही है?.

a. नर्तकी b. बिजली
c. नदी d. हवा

11. 'पाहुन' शब्द का अर्थ क्या है?

a. पानी b. दामाद
c. बादल d. हवा

12. बादल रूपी मेहमान के आने पर किसने बुजुर्ग की तरह स्वागत किया.

a. चंद्रमा b. तारे
c. पीपल d. बिजली

13. 'बूढ़ा पीपल' किसका प्रतीक है?

a. शिक्षित लोगों का b. बड़े बुजुर्ग का
c. बीमार लोगों का d .मेहमान का

14. कविता में किस ऋतु का मनोरम और काल्पनिक चित्रण हुआ है।

a. वसंत ऋतु का b. ग्रीष्म ऋतु का
c. वर्षा ऋतु का d. शिशिर ऋतु का

15. बाँध टूटा झर झर मिलन के अश्रु ढरके।" इस पंक्ति में बाँध टूटना किस बात को दर्शाता है ?.

a. नाराजगी के भाव को
b. कलह समाप्त होने के भाव को
c. वर्षा के होने को
d. प्रेम के मधुर पल का

16. ताल क्यों खुश हो गया ?

a. बादल को देखकर b. कीचड़ को देखकर
c. मेहमान को देख कर d. हवा को देखकर

17. बारिश होने से तालाब किससे भर गए हैं?.

a. मछलियों से b. पानी से
c. कीचड़ से d. कचड़े से

18. ताल किसका प्रतीक है ?

a. कटोरे का
b. घर के सदस्य का
c. पानी से भरे खेत का
d. घर के सदस्य का मुहावरे

19. ' गर्दन उचकाना ' का क्या अर्थ है 2

a. उत्सुकता से देखना b. गुस्से से देखना
c. महसूस करना d. इनमें से कोई नहीं

20. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का जन्म किस राज्य में हुआ है?

a. उत्तर प्रदेश b. मध्य प्रदेश
c. राजस्थान d. बंगाल

21. किस विश्वविद्यालय से सर्वेश्वर दयाल सक्सेना ने उच्च शिक्षा ग्रहण की?

a. राँची विश्वविद्यालय
b. काशी विश्वविद्यालय
c. इलाहाबाद-विश्वविद्यालय
d. दिल्ली विश्वविद्यालय

22. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की मृत्यु किस वर्ष हुई थी ?.

a. 1983 में b. 1984 में
c. 1985 में d. 1986 में

23. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना को अपनी रचना के लिए किस पुरस्कार से सम्मानित किया गया ?

a. साहित्य अकादमी पुरस्कार
b. वीर रत्न पुरस्कार ज्ञानपीठ
c. खेल रत्न पुरस्कार
d. पुरस्कार

24. कौन सी रचना सर्वेश्वर दयाल सक्सेना जी की नहीं है?

a. काठ की घंटियाँ b. गर्म हवाएँ
c. जंगल का दर्द d. साखियाँ

25. कौन सी रचना सर्वेश्वर दयाल सक्सेना जी द्वारा रचित है?

a. ग्राम श्री b. मेघ आए
c. साखियाँ d. कैदी और कोकिला

26. 'अकुलाई' शब्द का क्या अर्थ हो सकता है?

a. बेचैन b. बेहिचक
c. गुस्सा d. बेहोशी

27. बाँकी चितवन का क्या अर्थ हो सकता है ?

a. प्रेम पूर्वक देखने की अवस्था b. अंधापन
c. बहरापन d. सूनापन

28. 'दामिनी' का पर्यायवाची शब्द कौन सा होगा ?

a. बिजली b. पुष्कर

© JCERT not to be republished

c. जलधर d. शेर

29. निम्नलिखित में दामिनी का पर्यायवाची कौन सा नहीं है?
a. चंचला b. चपला
C. विद्युत d. जलधर

30. निम्नलिखित में 'मेघ' का पर्यायवाची नहीं होगा:-
a. बादल b. जलद
C. अंबुधर d. चपला

31. 'दामाद' का पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित में से कौन सा होगा?
a. बेटा b. जमाई
c. पड़ोसी d. मेहमान

32. 'दामाद' का पर्यायवाची निम्न में से नहीं होगा?
a. जमाई b. जमाता
c. जंवाई d. रिश्तेदार

33. कवि के अनुसार भरम का शाब्दिक अर्थ क्या होगा
a. भरपाई b. भरना
c. आशंका d. भरपूर

34. कविता के अनुसार भरम का अर्थ इनमें से नहीं होगा?.
a. भ्रम b. संदेह
c. आशंका d. भरपाई

35. 'मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के' में किस अलंकार का प्रयोग कवि ने किया है।
a. मानवीकरण अलंकार
b अनुप्रास अलंकार
c. उत्प्रेक्षा अलंकार
d. अतिशयोक्ति छत्तीसगढ़ अलंकार

36. 'गाँठ खुलना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
a. मन का मैल दूर होना b. रस्सी की गाँठ खुलना
c. शक करना d. रिश्ता मजबूत होना

37. 'अश्रु' का तद्भव रूप क्या है?
a. जल b. आँसू
c. बादल d. नीर

38. 'पराग' पत्रिका का संपादन किसने किया ?
a. प्रेमचंद ने
b. राजेश जोशी
c. रसखान
d. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

प्रश्नों 39 से 41 तक रिक्त स्थान की पूर्ति उचित शब्द से करें।

39. दरवाजे खिड़की खुलने लगी .... ।
a. नगर - नगर b. गली - गली
c. घर - घर d. शहर - शहर

40. पाहुँन ज्यों आए हों गाँव में............. के ?
a. शहर b. नगर
c. विदेश d. जंगल

41. क्षमा करो गाँठ खुल गई अब.......... की।
a. शर्मा b. भरम
c. धरम d. कर्म

42. प्रस्तुत कविता में किस-ऋतु का वर्णन हैं।
a. शरद ऋतु b. ग्रीष्म ऋतु
c. वर्षा ऋतु d. बसंत ऋतु

43. "बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी घूंघट सरके।" इन पंक्तियों के अर्थ बताओ?
a. नदी ने अपना घूँघट नहीं हटाया।
b. नदी ठिठकी नहीं है।
c. नदी सीधे मेहमान को देख रही है
d. नदी रूपी स्त्री रुक कर तिरछी नजरों से मेहमान को देख रही है।

44. व्याकुल लता किसके पीछे छुप पर शिकायत कर रही है ?
a. दरवाजे के b. पर्दे के
c. तालाब के d. बादल के

45. जब कोई शहर का व्यक्ति गाँव में आता है तब क्या होता है।
a. कोई ध्यान नही देता ?
b. उसका बहुत अधिक स्वागत -सत्कार किया जाता है
c. उसका सम्मान नही करता
d. उपरोक्त में से कोई नही

46. पूरा आसमान किससे ढक जाता है ?.
a. तारों से b. आँसुओं से
c. बादलों से d. पत्तों से

47. प्रेमी के आने पर प्रेमिका का क्या टूट जाता है?
a. विश्वास b. भरोसा
c. भ्रम d. धैर्य

48. कौन बादलों रूपी मेहमान को आगे बढ़कर सम्मान पूर्वक प्रणाम करता है?,
a. बूढ़ा पीपल b. नीम का पेड़
c. लता d. ताल

49. 'बरस बाद सुध लीन्हीं' में प्रिया के किस भाव की अभिव्यक्ति हुई है?
a. प्रेम भाव की b. उपालंभ की
c. उदारता की d. कृतज्ञता की

50. मेघ के आने पर बयार पर क्या असर हुआ ?
a. यह मंद गति से चलने लगी
b. वह बिलकुल रुक गई
c. तेज गति से चलने लगी
d. हवा गर्म हो गयी ।

51. 'नदी' किसका प्रतीक है ?
a. प्रेयसी का b. गाँव की युवती का

© JCERT not to be republished

c. बादल का d. वर्षा का

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. d,	11. b,	21. c,	31. b,	41. b,	51. b
2. c,	12. c,	22. a,	32. d,	42. c,	
3. b,	13. b,	23. a,	33. c,	43. d,	
4. a,	14. c,	24. d,	34. d,	44. a,	
5. d,	15. b,	25. b,	35. a,	45. b,	
6. c,	16. a,	26. a,	36. a,	46. c,	
7. a,	17. b,	27. a,	37. b,	47. c,	
8. c,	18. c,	28. a,	38. d,	48. a,	
9. b,	19. a,	29. d,	39. b,	49. b,	
10. d,	20. a,	30. d,	40. a,	50. c,	

अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. कविता के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

1. पेड़ झुक झाँकने लगे.................. उचकाए ।
2. ....धूल भागी घाघरा उठाए।
3. बूढ़े................. ने आगे बढ़कर जुहार की ।
4. क्षितिज अटारी गहराई................. दमकी ।
5. बाँध टूटा झर-झर मिलन के.............. ढरके ।

उत्तरः-

1. गरदन 2. आँधी चली 3. पीपल

4. दामिनी 5. अश्रु

कविता के आधार पर पंक्तियों का सही मिलान करें:

क	ख
1. मेघ आए	1. गरदन उचकाए
2. पाहुन ज्यों आए हो	2. अब भरम की
3. पेड़ झुक झाँकने लगे	3. झर-झर मिलन के अश्रु ढरके
4. क्षमा करो गाँठ खुल गई	4. बड़े बन-ठन के संवर के
5. बाँध टूटा	5. गाँव में शहर के

उत्तर:- 1-4, 2-5, 3-1, 4-2, 5-3

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर किसका स्वागत किया और क्यों ?.

उत्तर- बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर बादल रूपी अतिथि का स्वागत किया। क्योंकि अतिथि के आने पर बड़े बुजुर्ग ही आगे बढ़कर स्वागत सत्कार करते हैं।

2. बरस बाद सुधि लीन्हीं - किवाड़ की ओट लिए लता ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर- लता ऐसा कह कर बादलों को उलाहना दे रही है क्योंकि वह काफी दिनों से उनकी प्रतिक्षा में थी किन्तु वह नही आए । आज आने पर प्यार भरे उलाहने दे रही है।

3. कवि ने पीपल को ही बड़ा बुर्जुग क्यों कहा है?

उत्तर- पीपल पेड़ की विशालता और सघनता उसके स्वरूप को गंभीर और शांत रूप प्रदान करती है। आँधी तूफान में वह दृढ़ता के साथ जमा रहता है। कवि ने पीपल में एक बुजुर्ग के गुणों को देखते हुए ही उसे बुजुर्ग कहा है।

4. भ्रम की कौन सी गाँठ खुल गई है जिसके लिए क्षमा मांगी गई ?

उत्तर- काफी दिनों से बादल नहीं बरसे थे। बादल आते थे चले जाते थे परन्तु आज बादल आकर बरसने लगे अत: अब वर्षा होगी या नहीं यह भ्रम दूर हो गया और क्षमा माँगी गयी।

5. ताल पानी की परात क्यों लेकर आया ?

उत्तर- गाँवों में परंपरा है कि जब पाहुन आते हैं तो उसके पैर धोकर उसका स्वागत किया जाता है। यहाँ भी पाहुन यानी मेघ के स्वागत के लिए तालाब पानी की परात लेकर आया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. वर्षा के आने पर अपने आस-पास के वातावरण में हुए परिवर्तनों को ध्यान से देखकर एक अनुच्छेद लिखिएँ।

उत्तर- वर्षा के आने पर वातावरण में शीतलता बढ़ जाती है गर्मी में तप्त जीवों को मानसिक व हार्दिक प्रसन्नता होती है। ठंडी हवाएँ बहने लगती है। तेज आँधियों के झोंकों से मिट्टी उड़ जाती है। वातावरण स्वच्छ हो उठता है। वृक्ष झूमने लगते है। आसमान में बादल गरजने लगते हैं बिजलियाँ चमकने लगती है खुशी से मोर नाचने लगते हैं चारों ओर हरियाली छा जाती है। किसान फसल बोआई की तैयारी करते हैं। सूखे हुए नदी, तालाब और कुएँ भर जाते है। सूखी धरती में नई जान आ जाती है।

2. कविता में 'मेघ' को पाहुन के रूप में चित्रित किया गया है। हमारे यहाँ अतिथि (दामाद) को विशेष महत्व प्राप्त है, लेकिन आज इस परंपरा में परिवर्तन आया है कैसे और क्यों ?

उत्तर- "अतिथि देवो भवः" हमारे देश में अतिथि (मेहमान) को भगवान स्वरूप माना जाता है और यह परंपरा आज भी चली आ रही है। समय के साथ-साथ इसमें कुछ

© JCERT not to be republished

बदलाव जरूर आया है। आज समय के साथ-साथ लोगों की जीवन शैली बदल रही है। दिन प्रतिदिन इंसान व्यस्त होता जा रहा है. अपने घर-परिवार, रिश्ते-नातों व दोस्तों के लिए समय की कमी हो गयी है। महंगाई, शहरीकरण और पाश्चात्य जीवन शैली के कारण इंसान आज आत्मकेन्द्रित होता चला जा रहा है।

3. **"बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की**
बरस बाद सुधि लीन्हीं
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के ।
मेघ आए बड़े बन-ठन के संवर के "
प्रस्तुत पंक्तियों के भावार्थ लिखें ?

उत्तर- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक क्षितिज के अंतर्गत 'मेघ आए' कविता की है। इसके कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना हैं ।

अतिथि सत्कार की परंपरा को चित्रित करते हुए कवि कहते हैं कि पाहुन के आने की खुशी में बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर मेघों का स्वागत किया, अभिनन्दन किया। मेघों की प्रतीक्षा में बेचैन लता किवाड़ की ओट से उलाहने दे रही है। मेहमान के पैरों को धोने के लिए तालाब परात से पानी भर कर लाया है। वह भी अतिथि-सत्कार की खुशी में फूला नहीं समा रहा है। वह मेघों के बन-ठन कर आने पर खुश है।

© JCERT not to be republished

पाठ - 16 यमराज की दिशा

कवि परिचय

चंद्रकांत देवताले

जन्म :- सन् 1936 में

स्थान :- जौलखेड़ा जिला बैतूल मध्य प्रदेश

प्रमुख कृतियाँ :- हड्डियों में छिपा ज्वर, दीवारों पर खून से, लकड़बग्घा हँस रहा है, भूखंड तप रहा है, पत्थर की बेंच, इतनी पत्थर रोशनी, उजाड़ में संग्रहालय आदि।

सम्मान एवं पुरस्कार :- चंद्रकांत देवताले को 'माखनलाल चतुर्वेदी' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

पाठ का सार:

अपनी इस कविता में कवि सभ्यता के विकास की खतरनाक दिशा की ओर इशारा करते हुए कहते हैं कि जीवन विरोधी ताकतें चारों तरफ फैली है चारों ही तरफ यमराज का वास है शहर में चारों तरफ बनी ऊँची- ऊँची इमारतें यमराज के निवास के समान लगती है। हर जगह लोगों में भ्रष्टाचार, हिंसा और लालच जैसी भावनाएँ घुस चुकी है कवि को अपनी माँ की याद आती है। जिसने उन्हें बताया है कि दक्षिण में यमराज का वास है लेकिन अब ऐसा लगता है, जैसे यमराज सर्वव्यापी है।

पाठ्य-पुस्तक के प्रश्नोत्तर

1. कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल क्यों नहीं हुई?

उत्तर- कवि की माँ ने बचपन से ही उन्हें सिखाया था कि दक्षिण दिशा की तरफ पैर करके मत सोना यमराज क्रोधित हो जाएंगे। इसी जानकारी के कारण कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल नहीं हुई।

2. कवि ने ऐसा क्यों कहा कि दक्षिण को लांघ लेना संभव नहीं है।

उत्तर- दक्षिण दिशा का कोई ओर- छोर नहीं है वह अनंत है इसलिए उसे लांघ लेना संभव नहीं है दूसरे शब्दों में आज हर दिशा दक्षिण दिशा है अर्थात सब ओर यमराज के समान भयभीत कर देने वाले लोग भरे पड़े हैं।

3. कवि के अनुसार आज हर दिशा दक्षिण दिशा क्यों हो गई है ?

उत्तर- आज के युग में हर तरफ यमराज की भांति ही मानवता को हानि पहुँचाने वाले पूँजीवादी शोषक लोग विद्यमान है वह बड़ी निर्दयता से मानवता को नष्ट कर रहे हैं इसलिए कवि के अनुसार आज हर दिशा दक्षिण दिशा हो गई है जहाँ एक नहीं अनेकानेक यमराज विद्यमान हैं।

4. भाव स्पष्ट कीजिए-

"सभी दिशाओं में यमराज के आलीशान महल है
और वे सभी में एक साथ
अपनी दहकती आँखों सहित विराजते हैं ।"

उत्तर- कवि कहते हैं कि शोषण करने वाले लोग यमराज की भांति शोषक, निर्दयी एवं मानवता विरोधी होते हैं और विशाल भवनों में रहते हैं कवि के अनुसार यमराज अपनी क्रोध से दहकती आँखों के साथ अपने महल में विराजमान होते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. कवि की माँ किस दिशा को मृत्यु की दिशा मानती थी?

a. पूर्व b. पश्चिम
c. उत्तर d. दक्षिण

2. अपनी माँ को देखकर कवि को क्या प्रतीत होता है?

a. वह बहुत पूजा पाठ करने वाली है
b. बहुत उदार है
c. स्वतंत्र विचारों वाली है
d. ईश्वर से जैसे उनका सीधा संबंध है

3. कवि की माँ किसकी सलाह पाकर जिंदगी जीने के तरीके सीख लेती है ?

a. ईश्वर की b. भाई की
c. बेटे की d. माँ की

4. किसके कहने पर कवि दक्षिण की तरफ पैर करके कभी नहीं सोए?

a. माँ के b. शिक्षक के
c. पिता के d. भाई के

5. कवि के अनुसार माँ का सलाहकार कौन है?

a. उसकी महिला मित्र b. कवि स्वयं
c. कवि के पिताजी d. भगवान

6. किस दिशा का कोई ओर -छोर नहीं है?

a. पूरब
b. पश्चिम
c. दक्षिण
d. किसी भी दिशा का कोई ओर- छोर नहीं है

7. कवि के अनुसार दक्षिण दिशा को लाँघना संभव नहीं है क्यों?

a. यह कोई रास्ता नहीं
b. यह प्रकाशहीन है
c. इसका कोई अंत नहीं